मुंबई पुलिस तय करेगी मेट्रो-३ की सुरक्षा

सामना संवाददाता / मुंबई

'ए' श्रेणी में आनेवाले मेट्रो-३ की सुरक्षा के लिए मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को मुंबई पुलिस के ग्रीन सिग्नल का इंतजार है। सुरक्षा को लेकर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार किया गया मास्टर प्लान मंजूरी के लिए मुंबई पुलिस आयुक्त को भेजा गया है। आयुक्त से हरी झंडी मिलने के बाद ही आगे की रूपरेखा तय की जाएगी।

- **पुलिस आयुक्त को भेजा गया प्लान**
- **सीआईएसएफ-एमएसएफ की पेंच में फंसी एमएमआरसीएल**

बता दें कि गृहनिर्माण और नगरविकास मंत्रालय ने कुलाबा-बांद्रा-सिप्ज मेट्रो-३ मार्ग का समावेश 'ए' श्रेणी में किया है। 'ए' श्रेणी में आने के बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) का सुरक्षा कवच लेना आवश्यक है। केंद्र सरकार के अधीन सीआईएसएफ आती है। सीआईएसएफ का सुरक्षा कवच मेट्रो-३ के लिए खर्चीला साबित हो सकता है। इसका असर मेट्रो के किराए पर पड़ सकता है। ऐसे में सीआईएसएफ की सुरक्षा के संदर्भ में मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन पसोपेश में है। बताया जाता है कि मेट्रो-१ की सुरक्षा वर्तमान में महाराष्ट्र सिक्योरिटी फोर्स (एमएसएफ) के अधीन है। सीआईएसएफ के मुकाबले एमएसएफ का सुरक्षा कवच कम खर्चीला है लेकिन गत वर्षों में विदेशों में आतंकियों द्वारा अंडरग्राउंड मेट्रो ट्रेन में मचाए गए उत्पात के चलते एमएमआरसीएल-सीआईएसएफ और एमएसएफ की पेंच में फंस गई है। हालांकि इस संबंध में जब एमएमआरसीएल के आधिकारिक प्रवक्ता से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेट्रो-३ की सुरक्षा का प्लान मुंबई पुलिस आयुक्त को भेजा गया है। आयुक्त से ग्रीन सिग्नल के बाद आगे की दिशा तय की जाएगी।